दिनांक :- 06-05-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

लेखक का नाम :- डॉ० फ़ारूक आज़म (अतिथी शिक्षक)

स्नातक :- द्वितीय खंड (इतिहास)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास (कला)

इकाई :- चतुर्थ

पत्र :- चतुर्थ

अध्याय :- चीन में पश्चिमी साम्राज्यवाद का प्रसार

(क) पूर्वी रशिया में जापान के आक्रमण की स्थिति में चाहे वह रूसी क्षेत्र पर हो या चीनी क्षेत्र पर, दोनों राज्य परस्पर सहयोग करेंगे तथा शांति-संधि भी एक दूसरे की सहमति से करेंगे (ख) युद्ध काल में रूस चीन के प्रति अपनी सद्भावना व्यक्त की। रूस ने यह भी आश्वासन दिया कि वह भविष्य में चीन में जापानी प्रसार के विरोध करेगा। अतः पीकिंग रूस की ओर से निश्चित था।

Scanned with CamScanner

मई 1896 में रूसी जार के सिंहासनारोहण/समारोह में भाग लेने के लिए मंचू दरबार से ली-हुंग-यंग को सेंट पीटर्सबर्ग भेजा गया। यहाँ रूस के प्रसिद्ध वित्त मंत्री काउंट वीटे (Count witte) ने लिन से चीन के विषय में विशेष रूप से बातचीत की। रूस चीन के प्राचीन संबंधों की चर्चा की गई। यह भी कहा गया कि रूस को चीनी प्रदेशों के प्राप्ति की कोई इच्छा नहीं है। लिन इन तर्कों से काफी प्रभावित हुआ। फलतः जून 1896 को रूस-चीन की गुप्त मैत्री। ली लोवानोव (Li-Lovanov) संधि पर हस्ताक्षर हुए। इसमें कहा गया

(1) चीन की रक्षा करने के दायित्व के लिए रूस को मंचूरिया होते हुए सीधे व्लाडीवोस्तक तक ट्रांस-साइबेरिया रेलवे लाइन के निर्माण का अधिकार प्राप्त हो गया। निर्माण तथा संचालन रूसी-चीनी संयुक्त

बैंक को देने की व्यवस्था की गई। (ध) युद्ध व शांति काल में रूस अपनी सेनाएं तथा रसद के लिए इस रेल-मार्ग को स्वतंत्रता पूर्वक उपयोग करेगा। (ङ) शिमोन्सकी संधि के अनुसार जो बड़ी राशि चीन को अदा करनी थी। उसके लिए रूस ने उदारतापूर्वक चीन को एक बड़ी धनराशि ऋण के रूप में प्रदान की।

उपयुक्त संधि की एक पूरक उपसंधि द्वारा रूस चीन बैंक (Russo-chines Bank) की स्थापना की गई। यह गैर सरकारी बैंक था। यह बैंक ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन के मंचुरिया भाग का निर्माण करने के लिए वित्तीय आधार पर बनाया गया। इसे अनेक विशिष्ट अधिकार भी प्रदान किए गए। चीनी साम्राज्य में कर वसूलने, स्थान-स्थान पर राजकोष से लेन-देन करने, सिक्के ढालने, चीनी सरकार को दिए ऋण पर ब्याज वसूल करने तथा चीनी

Scanned with CamScanner

सीमाओ में रेलवे-लाइन व तार लाइन के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने का काम इसी को सौंपा गया। रूस को चीन में खान खोदने की सुविधाएँ भी प्राप्त हो गई। चीन ने रूस को पोर्ट आर्थर और कियाओ चाओ को जहाजी बेड़े के रूस में उपयोग करने की भी अधिकार प्राप्त हो गया। इस प्रकार, बैंक तथा रेलवे लाइन के माध्यम से रूस उत्तरी मंचूरिया पर अपना आर्थिक नियंत्रण करने में सफल हुआ। उसने अपने इस क्षेत्रीय प्रसार को बहुत वेग से आगे बढ़ाया। रूसी राजनीतिज्ञ विटे ने इसे शांतिपूर्ण प्रवेश (Peaceful Penetration) बतलाया। रूस अधिकार दिनो तक अपने नापाक इरादे को छिपा नही सका। नवम्बर, 1879 ने उसने पोर्ट आर्थर पर अधिकार करने का प्रयत्न किया। चीन ने रूस को पोर्ट आर्थर तथा तालिएवान खाड़ी सहित लियाओतुंग प्राय

द्वीप 25 वर्ष के लिए पट्टे पर दे दिया। पूर्वी चीनी रेलवे लाइन या ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन की एक शाखा दक्षिण में पोर्ट आर्थर तक लाने की रियायत भी दे दी गई। इस प्रकार, चीनी तरबूज कुतरने में रूस पीछे नहीं रहा।

जर्मनी :- 1895 में शिमोन्स्की संधि के अनुच्छेदों को चीन के हित में संशोधित कराने में जर्मनी ने भी जापान पर दबाव डाला था। इसका प्रमुख कारण था कि जर्मनी फ्रांस और रूस की मैत्री से चिन्तित था और रूस को पूर्वी एशिया में उलझाकर वह इन तीनों देशों के गठबंधन को कमजोर करना चाहता था। वह चीन से अपने लिए नौसैनिक व व्यापारिक अड्डे प्राप्त करना चाहता था। इसी बीच नवम्बर 1897 में कुछ चीनी लुटेरों ने दो जर्मन धर्म प्रचारकों की हत्या कर दी। तुरंत जर्मन नौसेनापति ने सेनाएँ किआओ चाऊ

पर उतार कर अपनी माँगे चीनी सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर दी कुछ समय तक तो रूस की मैत्री व सहायता के कारण चीनी शर्ते मानने से इन्कार करते रहे परंतु जनवरी 1898 तक उसे रूस से कोई सहायता का संकेत प्राप्त नही हुआ। विवश होकर मार्च, 1898 में चीन को जर्मनी से समझौता करना पड़ा। इसके अनुसार

(क) कियाओ चाऊकी खाड़ी तथा उसके आस-पास का प्रदेश 99 साल के पट्टे पर जर्मनी को दिया गया।

(ख) कियाओ चाऊ खाड़ी के चारो ओर 50 मील का क्षेत्र तटस्थ रहेगा जहाँ जर्मन सेनाओ की गतिविधियो पर कोई नियंत्रण नही होगा तथा जर्मन सरकार की सहमति के बिना इस क्षेत्र में कोई भी देश किसी प्रकार की कोई भी कार्य वाही नही करेगा। (ग) यह प्रदेश जर्मनी किसी अन्य शक्ति को पट्टे पर नही दे सकेगा।

Scanned with CamScanner

शांतुंग प्रान्त में जर्मनी कम्पनी को दो साल रेल-मार्ग बनाने का अधिकार दिया गया। जिसका संचालन चीनी-जर्मनी कम्पनी करेगी। जिसमें दोनों देशों के नागरिक पूँजी लगा सकेंगे। (ङ) जर्मन व्यवसायी रेल क्षेत्र के 10 मील के अंदर-अंदर खानों से कोयला निकाल सकेंगे (च) चीनी सरकार ने जर्मनी को आश्वासन दिया कि यदि शांतुंग प्रदेश के विकास के लिए किसी भी प्रकार की विदेशी सहायता की आवश्यकता होगी तो उसमें वह जर्मनी को प्राथमिकता देगी। इस प्रकार से जर्मनी ने 1898 में चीन कि कियाओ चाऊखाड़ी पर अपना पूर्ण प्रभुत्व स्थापित कर लिया।

फ्रांस - फ्रांस ने चीन को युद्ध क्षतिपूर्ति देने के लिए ऋण दिया था। इसके बदले चीन ने यह वादा किया था कि वह हैनान का द्वीप किसी राज्य को नहीं देगा।